गुजरात एवं महाराष्ट्र स्थापना दिवस

(1 मई, 2025, स्थान: राज भवन, राँची)

जोहार!

1. आज 1 मई का दिन भारत के दो राज्यों गुजरात और महाराष्ट्र का स्थापना दिवस है। इस अवसर पर मैं इन दोनों राज्यों के नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देता हूँ। मैं राज भवन, रांची में आयोजित आज इस कार्यक्रम झारखंड में निवास कर रहे तथा यहाँ के विकास कार्यों में योगदान दे रहे गुजरात और महाराष्ट्र के लोगों का अभिनंदन करता हूँ।

2. सर्वप्रथम, इस अवसर पर 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गये निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। इस दुःख की घड़ी में हम सभी देशवासी पीड़ित परिवारजनों के साथ हैं। मासूम नागरिकों पर किया गया यह कायरतापूर्ण हमला मानवता के मूल्यों पर गहरा आघात है। इस घटना ने सम्पूर्ण देशवासियों को दुःख और आक्रोश से भर दिया है।

3. माननीय आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने बहुत ही स्पष्ट शब्दों में कहा है कि इस आतंकी हमले के जिम्मेदार आतंकियों और साजिशकर्ताओं को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा दी जाएगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। हमारा देश किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन अगर कोई हमें छेड़े, तो हम उसे छोड़ते भी नहीं हैं।

4. पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था-

भारत जमीन का टुकड़ा नहीं,
जीता जागता राष्ट्रपुरुष है।
हिमालय मस्तक है, कश्मीर किरीट है,
पंजाब और बंगाल दो विशाल कंधे हैं।
पूर्वी और पश्चिमी घाट दो विशाल जंघायें हैं।
कन्याकुमारी इसके चरण हैं, सागर इसके पग पखारता है।
यह वंदन की भूमि है, अभिनन्दन की भूमि है,
यह तर्पण की भूमि है, यह अर्पण की भूमि है।
इसका कंकर-कंकर शंकर है,
इसका बिन्दु-बिन्दु गंगाजल है।
हम जियेंगे तो इसके लिये
मरेंगे तो इसके लिये।

उनकी इन पंक्तियों में भारत की आत्मा बोलती है।

5. सभ्य समाज में आतंक के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। भारत सरकार द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की जा रही है। हम शास्त्र की विद्या जानते हैं, तो शस्त्र की मर्यादा भी निभाना जानते हैं। हम बस से जाकर वार्ता करना तथा शांति का पैगाम भी पहुंचाना जानते हैं तो आंतकी को घुसकर मारना भी जानते हैं। भारत ने जहाँ संपूर्ण विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा का संदेश दिया, वहीं जब-जब किसी नापाक इरादों ने हमें चुनौती दी और हमारी शांति एवं सुरक्षा पर आघात पहुँचाया, हमने घोषित या अघोषित युद्धों में मुंहतोड़ जवाब दिया है। हमारी

सैन्य शक्ति का पराक्रम आज पूरे विश्व के समक्ष एक अद्वितीय उदाहरण के रूप में स्थापित है।

6. आज हमारा देश विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी है और इस उपलब्धि में गुजरात और महाराष्ट्र का सबसे अधिक योगदान है। दोनों राज्यों का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक योगदान भारत की विकास यात्रा में अद्वितीय रहा है। मुझे खुशी है कि इन राज्यों से जुड़े लोग झारखंड में भी विविध क्षेत्रों व्यापार, उद्योग, चिकित्सा, शिक्षा एवं सामाजिक सेवा में सराहनीय योगदान दे रहे हैं। हमारे अपर मुख्य सचिव एवं एडीसी (पुलिस) भी महाराष्ट्र के मूल निवासी हैं और यहाँ अपना योगदान दे रहे हैं। हर्ष है कि यहाँ निवास कर रहे गुजराती और मराठी समाज ने न केवल अपनी संस्कृति को जीवित रखा है, बल्कि झारखंड की मिट्टी से अपनापन जोड़कर इसे समृद्ध किया है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

7. यह उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ब्रिटिश शासन के विरुद्ध भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में भी गुजरात और महाराष्ट्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। इन राज्यों के लोगों ने स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु अनेक आंदोलनों और संघर्षों में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इन राज्यों की धरती पर अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध सत्य और अहिंसा के आधार पर संघर्ष की प्रेरणादायक मिसालें देखने को मिलती हैं। देश की स्वतंत्रता के लिए दिया गया उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

8. नमक सत्याग्रह, बारडोली सत्याग्रह, भारत छोड़ो आंदोलन जैसे ऐतिहासिक आंदोलन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के नेतृत्व में हुए। प्रसिद्ध दांडी मार्च से प्रारंभ हुआ नमक सत्याग्रह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक निर्णायक मोड़ साबित हुआ। इसमें देश भर के लोगों ने व्यापक रूप से भाग लिया और यह

ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एक विशाल जनआंदोलन बना। बारडोली सत्याग्रह, जो सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में हुआ।

वहीं वर्ष 1942 में आरंभ हुआ भारत छोड़ो आंदोलन ब्रिटिश शासन को भारत छोड़ने के लिए बाध्य करने हेतु शुरू किया गया था। इसमें गुजरात और महाराष्ट्र के लोगों की बड़ी भागीदारी रही।

9. महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि है, जिनकी वीरता और स्वाभिमान की गाथाएँ आज भी जन-जन में ऊर्जा का संचार करती हैं। इस राज्य ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, गोपाल कृष्ण गोखले और विनायक दामोदर सावरकर जैसे महान नेता दिए, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। इसके अतिरिक्त, महाराष्ट्र ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, महात्मा ज्योतिराव फुले कई समाज सुधारक व व्यक्तित्व प्रदान किये, जिन्होंने सामाजिक अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। राज्य की राजधानी मुंबई जैसे वैश्विक शहर ने भारत को आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। पर्यटन के क्षेत्र में भी महाराष्ट्र अग्रणी है, अजंता-एलोरा की गुफाएँ, एलीफेंटा की गुफाएँ और गेटवे ऑफ इंडिया जैसे स्थल वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध हैं।

10. वहीं गुजरात देश की व्यापारिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक उन्नति का एक मजबूत स्तंभ रहा है। राष्ट्रपिता गांधीजी एवं राष्ट्रीय एकता और अखंडता के सूत्रधार तथा आधुनिक भारत के महान शिल्पकार लौहपुरुष सरदार पटेल की जन्मभूमि गुजरात ने हमें आत्मनिर्भरता, एकता और सामाजिक समरसता का पाठ पढ़ाया है। आज गुजरात न केवल औद्योगिक विकास में अग्रणी है, बल्कि पर्यटन, कृषि और संस्कृति के क्षेत्र में भी मिसाल कायम कर रहा है। हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित हुआ "गुजरात मॉडल" देश के अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बन चुका है।

11. कृषि क्षेत्र में भी इन दोनों राज्यों का योगदान सराहनीय रहा है। गुजरात कपास, मूंगफली और तिलहन उत्पादन में अग्रणी है, वहीं महाराष्ट्र गन्ना, अंगूर और अनार जैसे फलों के उत्पादन में प्रमुख स्थान रखता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी इन राज्यों में कई विश्वस्तरीय संस्थान स्थापित हैं।

मैं गुजरात और महाराष्ट्र की निरंतर प्रगति की कामना करता हूँ और आप सभी से जन्मभूमि के साथ कर्मभूमि के विकास में योगदान देने हेतु आह्वान करता हूँ।

जय हिंद! जय झारखंड! जय गुजरात! जय महाराष्ट्र!